Bihar Board Class 6 Science Notes Chapter 6 पदार्थों में परिवर्तन

अध्ययन सामग्री :

पदार्थ की तीन अवस्थाएँ होती हैं। ठोस, द्रव तथा गैस। जैसे –

पत्थर, किताब – ठोस
पानी, तेल – द्रव
हवा, ऑक्सीजन – गैस

ये सभी पदार्थ ताप, दाब तथा स्थान के कारण इनकी अवस्थाएँ बदलती रहती हैं। जैसे-जल को गर्म करने पर वाष्प में बदल जाते हैं और जल को काफी ठंडा करने पर बर्फ बन जाते हैं। इस प्रकार अनेक परिवर्तन के आध र पर यह देखा गया है कि कुछ ऐसे परिवर्तन हैं जिसमें पदार्थ अपने पूर्ववत स्थिति में नहीं लौट पाते हैं। लेकिन कुछ परिवर्तन में पदार्थ अपने पूर्ववत स्थिति में लौट आते हैं। जैसे दूध से दही का बनना तथा पानी से बर्फ का बनना।

जिस परिवर्तन में वस्तु अपनी पूर्वावस्था में वापस लौट आती है उसे उत्क्रमणीय परिवर्तन कहते हैं तथा जिस परिवर्तन में वस्तु अपनी पूर्वावस्था में लौट नहीं पाती है उस अनुत्क्रमणीय परिवर्तन कहते हैं।
इन दोनों परिवर्तनों के कारण ही हमारे व्यावहारिक जीवन के बहुत से कार्य सम्पादित होते हैं और इस सांसारिक जीवन-चक्र को चलाने में मददगार होते हैं। पहिया के आविष्कार से उस पर लाह की ढाल चढ़ाने से जीवन की रफ्तार को शुरू करने में भी इसी परिवर्तन का योगदान रहा। इतना ही नहीं, विज्ञान के वर्तमान युग में भी पदार्थ के इसी परिवर्तन का योगदान है।

उत्क्रमणीय परिवर्तन वस्तुओं/पदार्थों में वैसा परिवर्तन जो अपनी पहली अवस्था में वापस आ जाती हो वह उत्क्रमणीय परिवर्तन कहलाता है।
जैसे – पानी से बर्फ।

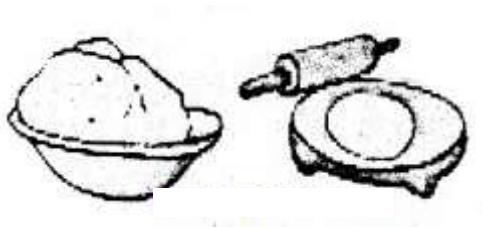

अनुत्क्रमणीय परिवर्तन वस्तुओं/ पदार्थों में वैसा परिवर्तन जो अपनी पहली अवस्था में वापस नहीं लौटती हो उसे अनुत्क्रमणीय परिवर्तन कहते हैं।
जैसे – कपूर का जलना, दूध से दही बनना।

https://www.evidyarthi.in/